



Mr.

26 Nov 2024

11:21 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120329904

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग _____
 26/11/2024 : _____ जन्म तिथि _____ : 26/11/2025
 मंगलवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 11:21:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:21:17 घंटे
 घटी 11:09:52 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 26:11:03 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:53:03 : _____ सूर्योदय _____ : 06:52:51
 17:24:05 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:24:07
 24:12:16 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:12
 मकर : _____ लग्न _____ : वृष
 शनि : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 कन्या : _____ राशि _____ : मकर
 बुध : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 हस्त : _____ नक्षत्र _____ : श्रवण
 चन्द्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : चन्द्र
 2 : _____ चरण _____ : 3
 प्रीति : _____ योग _____ : ध्रुव
 बव : _____ करण _____ : तैतिल
 ष-षडबली : _____ जन्म नामाक्षर _____ : खे-खेमा
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : धनु
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 मानव : _____ वश्य _____ : जलचर
 महिष : _____ योनि _____ : वानर
 देव : _____ गण _____ : देव
 आद्य : _____ नाड़ी _____ : अन्त्य
 मेष : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 1 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 2



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
श्रवण	2	13:34:58	मक			लग्न	वृष		10:36:13	1		रोहिणी
अनुराधा	3	10:15:27	वृश्चि			सूर्य	वृश्चि		10:15:27	3		अनुराधा
हस्त	2	14:52:51	कन्या			चंद्र	मक		19:02:02	3		श्रवण
पुष्य	3	11:13:26	कर्क			मंगल	अ वृश्चि		21:44:32	2		ज्येष्ठा
ज्येष्ठा	4	28:27:58	वृश्चि व			बुध व	तुला		27:28:21	3		विशाखा
मृगशिरा	1	23:36:45	वृष व			गुरु व	कर्क		00:34:03	4		पुनर्वसु
पूर्वाषाढा	3	22:56:42	धनु			शुक्र	वृश्चि		00:18:49	4		विशाखा
शतभिषा	4	18:35:17	कुंभ			शनि व	मीन		00:56:25	4		पूर्वाभाद्रपद
उ०भाद्रपद	3	10:48:06	मीन व			राहु व	कुंभ		20:08:51	1		पूर्वाभाद्रपद
हस्त	1	10:48:06	कन्या व			केतु व	सिंह		20:08:51	3		पूर्वाफाल्गुनी
कृतिका	2	00:39:31	वृष व			मु	कुंभ		13:34:58	3		शतभिषा

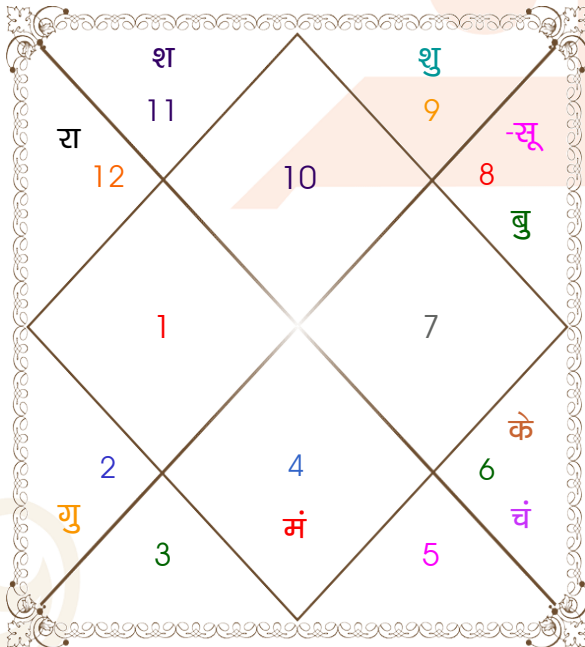
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

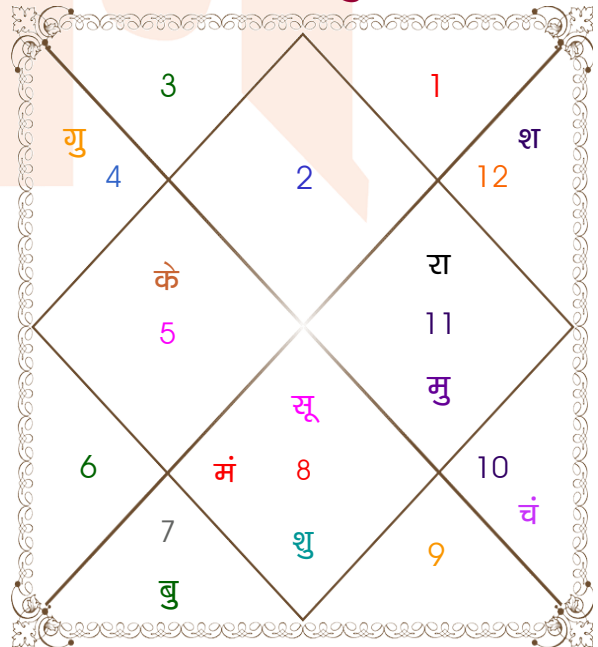
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शनि - बुध	चंद्र - शनि - केतु	चंद्र - शनि - शुक्र	चंद्र - शनि - सूर्य
29/09/2025 07:16	20/12/2025 05:31	22/01/2026 23:10	29/04/2026 08:25
20/12/2025 05:31	22/01/2026 23:10	29/04/2026 08:25	28/05/2026 06:23
बुध 10/10/2025 21:49	केतु 22/12/2025 04:45	शुक्र 08/02/2026 00:42	सूर्य 30/04/2026 19:06
केतु 15/10/2025 16:31	शुक्र 27/12/2025 19:41	सूर्य 12/02/2026 20:22	चंद्र 03/05/2026 04:56
शुक्र 29/10/2025 08:13	सूर्य 29/12/2025 12:10	चंद्र 20/02/2026 21:08	मंगल 04/05/2026 21:25
सूर्य 02/11/2025 10:32	चंद्र 01/01/2026 07:38	मंगल 26/02/2026 12:04	राहु 09/05/2026 05:31
चंद्र 09/11/2025 06:23	मंगल 03/01/2026 06:52	राहु 12/03/2026 23:04	गुरु 13/05/2026 02:03
मंगल 14/11/2025 01:05	राहु 08/01/2026 08:19	गुरु 25/03/2026 19:30	शनि 17/05/2026 15:56
राहु 26/11/2025 08:02	गुरु 12/01/2026 20:16	शनि 10/04/2026 01:46	बुध 21/05/2026 18:14
गुरु 07/12/2025 06:12	शनि 18/01/2026 04:28	बुध 23/04/2026 17:28	केतु 23/05/2026 10:43
शनि 20/12/2025 05:31	बुध 22/01/2026 23:10	केतु 29/04/2026 08:25	शुक्र 28/05/2026 06:23
चंद्र - शनि - चंद्र	चंद्र - शनि - मंगल	चंद्र - शनि - राहु	चंद्र - शनि - गुरु
28/05/2026 06:23	15/07/2026 11:01	18/08/2026 04:39	12/11/2026 22:34
15/07/2026 11:01	18/08/2026 04:39	12/11/2026 22:34	29/01/2027 01:10
चंद्र 01/06/2026 06:46	मंगल 17/07/2026 10:14	राहु 31/08/2026 04:56	गुरु 23/11/2026 05:19
मंगल 04/06/2026 02:14	राहु 22/07/2026 11:41	गुरु 11/09/2026 18:32	शनि 05/12/2026 10:20
राहु 11/06/2026 07:44	गुरु 26/07/2026 23:38	शनि 25/09/2026 12:10	बुध 16/12/2026 08:30
गुरु 17/06/2026 17:57	शनि 01/08/2026 07:50	बुध 07/10/2026 19:06	केतु 20/12/2026 20:27
शनि 25/06/2026 09:05	बुध 06/08/2026 02:32	केतु 12/10/2026 20:33	शुक्र 02/01/2027 16:53
बुध 02/07/2026 04:56	केतु 08/08/2026 01:45	शुक्र 27/10/2026 07:32	सूर्य 06/01/2027 13:25
केतु 05/07/2026 00:24	शुक्र 13/08/2026 16:42	सूर्य 31/10/2026 15:38	चंद्र 12/01/2027 23:38
शुक्र 13/07/2026 01:11	सूर्य 15/08/2026 09:11	चंद्र 07/11/2026 21:08	मंगल 17/01/2027 11:35
सूर्य 15/07/2026 11:01	चंद्र 18/08/2026 04:39	मंगल 12/11/2026 22:34	राहु 29/01/2027 01:10
चंद्र - बुध - बुध	चंद्र - बुध - केतु	चंद्र - बुध - शुक्र	चंद्र - बुध - सूर्य
29/01/2027 01:10	12/04/2027 08:28	12/05/2027 12:52	06/08/2027 18:37
12/04/2027 08:28	12/05/2027 12:52	06/08/2027 18:37	01/09/2027 15:33
बुध 08/02/2027 10:24	केतु 14/04/2027 02:43	शुक्र 26/05/2027 21:50	सूर्य 08/08/2027 01:40
केतु 12/02/2027 17:02	शुक्र 19/04/2027 03:27	सूर्य 31/05/2027 05:19	चंद्र 10/08/2027 05:25
शुक्र 24/02/2027 22:15	सूर्य 20/04/2027 15:40	चंद्र 07/06/2027 09:48	मंगल 11/08/2027 17:38
सूर्य 28/02/2027 14:12	चंद्र 23/04/2027 04:02	मंगल 12/06/2027 10:32	राहु 15/08/2027 14:46
चंद्र 06/03/2027 16:49	मंगल 24/04/2027 22:18	राहु 25/06/2027 09:00	गुरु 19/08/2027 01:34
मंगल 10/03/2027 23:26	राहु 29/04/2027 10:58	गुरु 06/07/2027 20:58	शनि 23/08/2027 03:52
राहु 21/03/2027 23:20	गुरु 03/05/2027 11:33	शनि 20/07/2027 12:40	बुध 26/08/2027 19:50
गुरु 31/03/2027 17:54	शनि 08/05/2027 06:15	बुध 01/08/2027 17:53	केतु 28/08/2027 08:04
शनि 12/04/2027 08:28	बुध 12/05/2027 12:52	केतु 06/08/2027 18:37	शुक्र 01/09/2027 15:33

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा मन में प्रसन्नता की आप अनुभूति करेंगे। इस समय समाज में आप एक गुणवान पुरुष के रूप में समझे जाएंगे तथा सभी लोग आपको वांछित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा का भाव रहेगा तथा यत्न पूर्वक धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन करते रहेंगे। इस समय आप कुएं या बगीचे आदि का निर्माण भी कर सकते हैं। समस्त भौतिक सुख संसाधनों की इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपको भूमि या जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा सुन्दर आवास स्थान के प्राप्ति के भी योग बनेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में उन्नति तथा विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इस समय विदेशियों से अथवा अन्य भौतिक कार्यों से आप विशिष्ट धन अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सेवक वर्ग का भी पूर्ण रूप से सुख प्राप्त होगा अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * -

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मों को करने में भी आप तत्पर रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राह्मणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबंधी योजनाएं बनाएं या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे साथ ही आपके रुके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।